हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आन्दोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email Id: prakharpurvanchal@gmail.com

वाराणसी, चन्दौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, इलाहाबाद तथा गोरखपुर से प्रसारित

वर्ष ५ अंक १६६ पृष्ठ ४, मूल्य ३.००, आमंत्रण मूल्य २.०० २१ दिसम्बर २०२० दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

पश्चिम बंगाल! ममता बनर्जी पर अमित शाह का तंज, जनता की बजाय उन्हें अपने भतीजे की चिंता

राजनीतिक हिंसा में 300 से ज्यादा बीजेपी कार्यकर्ताओं की हत्या हुई है– शाह

प्रखर कोलकाता/एजेंसी। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बोलपुर में रोड शो में शामिल होने के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इस दौरान उन्होंने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और प्रशासन को कई मुद्दों पर घेरा है. अमित शाह ने ममता बनर्जी पर परिवारवाद के भी आरोप लगाए. उन्होंने कहा कि ममता को अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी की चिंता है. वह उन्हें किसी भी हाल में मुख्यमंत्री बनाना चाहती हैं. शाह ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा (श्रच छंकक) पर हमले की भी निंदा की। उन्होंने कुछ हफ्तों पहले जेपी नड्डा पर हुए हमले को लेकर कहा, जिस तरह से टीएमसी कार्यकर्ताओं ने हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष पर हमला किया, बीजेपी इस बात की निंदा करती है. मैं खुद निजी तौर पर इस घटना की निंदा करता हूं। उन्होंने कहा, बीजेपी मानती है कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात कहने का हक है. उन्होंने बंगाल में जारी हिंसा को लेकर कहा कि यहां राज्य हिंसा के मामले में पहले नंबर पर है. इतना ही नहीं राज्य में भ्रष्टाचार काफी भारी है। उन्होंने कहा कि हम शासन में होते हैं तो यही कोशिश रहती है कि सभी राजनीतिक दल अपनी बात कह सकें. लेकिन भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पर हुआ हमला लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला है. अमित शाह ने कहा कि टीएमसी को हमारे कार्यकर्ता हिंसा से नहीं बल्कि आने वाले चुनावों के नतीजों से जवाब देंगे. शाह ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष पर हुए हमले के बाद राज्य की मुखिया की ओर से जैसी प्रतिक्रिया आनी चाहिए थी वह नहीं आई. बीजेपी में टीएमसी नेताओं के शामिल होने के लेकर उन्होंने कहा कि जनता के नेता बीजेपी से जुड़ गए हैं। शाह ने कहा, मैं टीएमसी नेताओं को यह कहना चाहता हूं कि उन्हें इस मुगालते में नहीं रहना चाहिए कि बीजेपी इन हमलों से रुक जाएगी. हम बंगाल में हमारा गढ़ को स्थापित करने के लिए काम करेंगे. उन्होंने कहा, बंगाल में राजनीतिक हिंसा अपने चरम पर है. 300 से ज्यादा बीजेपी कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई और इन मौतों की जांच में अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है। शाह ने कहा कि बंगाल में राजनीति का अपराधीकरण किया गया है।

जम्मू कश्मीर को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे – मनोज सिन्हा

प्रत्येक जिले के विकास के लिए बनाए जाएंगे डीडीसी– उपराज्यपाल

प्रखर एजेंसी। जम्मू–कश्मीर में आठ चरण के डीडीसी चुनाव सफल तरीके से सम्पन्न होने के एक दिन बाद, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को उम्मीद जतायी कि जमीनी स्तर के निर्वाचित प्रतिनिधि केंद्र शासित प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद करेंगे. सिन्हा ने मतदाताओं, चुनावी मशीनरी और सुरक्षा एजेंसियों के अलावा राजनीतिक दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों को ''लोकतंत्र के त्योहार'' में उनकी भागीदारी के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने का अपना वादा पूरा किया। सिन्हा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''लोकतंत्र का त्योहार कल (शनिवार) समाप्त हुआ और मुझे उम्मीद है कि यह जम्मू–कश्मीर के विकास में मील का पत्थर साबित होगा. मतदान का प्रतिशत (डीडीसी चुनावों के सभी आठ चरणों में) एक बात स्पष्ट करता है कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.'' उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति के बावजूद लोग, चाहे युवा हों या बुजुर्ग, पुरुष हों या महिलाएं, किसान, मजदूर, पेशेवर और व्यापारी, सभी लोकतंत्र में अपने विश्वास को व्यक्त करने के लिए सभी चरणों में मतदान केंद्रों पर कतारबद्ध थे। उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन ने पंचायती राज प्रणाली के सुदृढ़ीकरण में आ रही कमियों को दूर करने के लिए संविधान के 73 वें और 74 वें संशोधन को लागू करने के लिए पिछले चार महीने में काम किया। उपराज्यपाल ने कहा, ''डीडीसी चुनाव पहली बार जम्मू–कश्मीर में हुए... मैं सभी राजनीतिक दलों और उन्हें अपना पूरा धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने देश के संविधान में अपना विश्वास दोहराया और संवैधानिक परिवर्तनों को स्वीकार किया.'' उन्होंने कहा, ''चुनाव से पहले, मैंने शांतिपूर्ण और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों का वादा किया था. मुझे खुशी है कि कुछ छोटी घटनाओं को छोड़कर, चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हुए। उपराज्यपाल ने कहा, ''आने वाले दिनों में, प्रत्येक जिले के विकास के लिए डीडीसी बनाए जाएंगे. निर्वाचित प्रतिनिधियों को पूरी जिम्मेदारी मिलेगी और हम जम्मू–कश्मीर को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने और जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए काम करेंगे और कल्याणकारी योजनाएं हर घर तक पहुंचेंगी। सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 दिसंबर को केंद्रशासित प्रदेश में सोशल एंडेवर फॉर हेल्थ एंड टेलीमेडिसिन (एसईएचएटी) योजना की शुरुआत करेंगे.'' उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन ने आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के साथ एकीकरण में सभी निवासियों को निरू शुल्क सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने के लिए जम्मू–कश्मीर स्वास्थ्य योजना शुरू करने की पहले ही मंजूरी दे दी है।

किसानों का पीएम मोदी और कृषि मंत्री तोमर को खुला खत

प्रखर एजेंसी। नए कृषि कानूनों के खिलाफ जारी गतिरोध का फिलहाल कोई समाधान होता नहीं दिख रहा है। ना किसान हट नहीं रहे और न ही सरकार झुक रही है। नए कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर बड़ी तादाद में किसान 26 नवंबर से दिल्ली के अलग–अलग बॉर्डर पर डटे हैं। इस बीच प्रदर्शनकारी किसानों की तरफ से अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के नाम एक खुला पत्र लिखा है। किसानों ने विपक्ष के गुमराह करने के आरोपों को लेकर नाराजगी जताई है। अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति की ओर से लिखा गया ये खत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आरोपों और कृषि मंत्री की चिट्ठी के जवाब में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कृषि मंत्री नरेद्र सिंह तोमर को अलग–अलग हिंदी में लिखे खत में कहा है कि सरकार का यह मानना गलत है कि किसानों के आंदोलन के पीछ विपक्षी पार्टियों का हाथ है। यह पत्र ऐसे वक्त में लिखा गया है जब एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों पर किसानों को तीन कृषि कानूनों को लेकर गुमराह करने का आरोप लगाया था। अपने पत्र में लिखा है कि श्आंदोलन कर रहे किसान संगठनों और समूहों में से किसी की भी कोई भी मांग किसी राजनीतिक दल से नहीं जुड़ी हुई है।श वहीं, कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को लिखे खुले खत में किसान संगठन ने आरोप लगाया है कि तीनों कृषि कानूनों में गड़बड़ियां हैं। आरोप लगाया है कि कृषि मंत्री बातचीत में मुख्य मुद्दे से ध्यान भटका रहे थे। इससे पहले गुरुवार को किसानों को लिखे एक खुले खत में कृषि मंत्री तोमर ने कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों पर नए कृषि कानूनों को लेकर झूठ फैलाने का आरोप लगाया था। उन्होंने किसानों से इन झूठ के चक्कर में न आने की अपील की और कहा कि केंद्र उनकी हर चिंताओं को दूर करने के लिए तैयार है।

मोदी के भाई पर दर्ज हुई एफआईआर

प्रखर डेस्क। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी पर अब न्यूयॉर्क में धोखाधड़ी का गंभीर आरोप लगा है. नेहल मोदी पर दुनिया की सबसे बड़ी हीरा कंपनियों में से एक के साथ मल्टीलेयर्ड स्कीम के जरिए 2.6 मिलियन डॉलर (19 करोड़ रुपये से ज्यादा) की धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है. दरअसल, नेहल मोदी पर मैनहट्टन की एक डायमंड होलसेल कंपनी से 2.6 मिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के हीरे लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट में फर्स्ट डिग्री में बड़ी चोरी का आरोप लगा है. अब नेहल मोदी को न्यूयॉर्क के सुप्रीम कोर्ट में मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। न्यूयॉर्क के कानूनों के तहत पहली डिग्री में बड़ी चोरी के अपराध से मतलब 1 मिलियन डॉलर से अधिक की चोरी है. इस धोखाधड़ी की शुरुआत साल 2015 से होती है, जब नेहल मोदी ने एक कंपनी के साथ मिलकर फेक प्रेजेंटेशन करने के लिए करीब 2.6 मिलियन डॉलर के हीरे स्स्क डायमंड्स यूएसए से लिए थे. प्रोसीक्यूशन की मानें तो मार्च 2015 में नेहल मोदी ने करीब 8,00,000 डॉलर मूल्य के हीरे देने के लिए कहा और दावा किया कि वह उन्हें कॉस्टको होलसेल कॉर्पोरेशन नाम की कंपनी को बिक्री के लिए दिखाएगा. कॉस्टको एक चेन है जो अपने सदस्यों के रूप में जुड़ने वाले ग्राहकों को कम कीमत पर हीरे बेचती है. बता दें कि नेहल मोदी पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े 13,500 करोड़ रुपये (लगभग 1.9 बिलियन डॉलर) की धोखाधड़ी का मामला है. भारत लगातार नेहल को भारत वापस लाने में जुटा है. भारत के अनुरोध पर इंटरपोल ने नेहल के खिलाफ एक रेड नोटिस भी जारी कर दिया है. हालांकि अभी नेहल का प्रत्यर्पण लंबित है।

जम्मू–कश्मीर में सीआरपीएफ जवानों पर आतंकी हमला, एक घायल

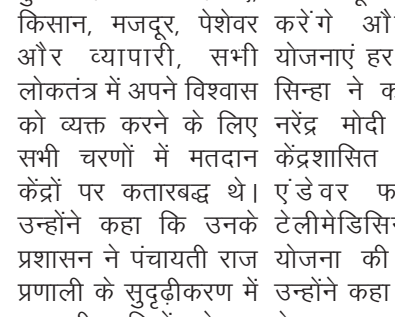

प्रखर श्रीनगर/एजेंसी। जम्मू–कश्मीर में अनंतनाग जिले के अचबल चौक पर आतंकवादियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों पर ग्रेनेड से हमला कर दिया. इस हमले में एक जवान घायल हुआ है. घटना शाम 6.40 बजे की है। बता दें कि इससे पहले गत 17 दिसंबर को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में एक चुनावी रैली से ठीक पहले भी कार्यक्रम स्थल पर ग्रेनेड हमला हुआ था. इसमें घटना में भी मौके पर तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएस) का एक जवान घायल हुआ था। 17 दिसंबर की वारदात के संबंध में अधिकारियों ने बताया था कि आतंकवादियों ने बिजबेहरा अस्पताल के पास तैनात सुरक्षा बलों पर आतंकियों ने ग्रेनेड फेंक कर हमला कर दिया था. उन्होंने बताया था यह स्थान बीजेपी की रैली के लिए कार्यक्रम स्थल से महज दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित था. इस स्थान पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और डीडीसी चुनाव प्रभारी शाहनवाज हुसैन की सभा होनी थी।

किसान आंदोलन के 25 वें दिन प्रदर्शन में जान गंवाने वालो को दी जायेगी श्रद्धांजलि

प्रखर दिल्ली/एजेंसी। गिरते पारे और कोरोना के खतरे के बीच किसानों के आंदोलन का आज 25वां दिन है। लेकिन नए कृषि कानूनों के खिलाफ जारी गतिरोध का फिलहाल कोई हल होता नहीं दिख रहा है। किसानों और सरकार के बीच लगातार गतिरोध बरकरार है। ना किसान हट नहीं रहे और न ही सरकार झुक रही है। नए कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर बड़ी तादाद में किसान 26 नवंबर से दिल्ली के अलग–अलग बॉर्डर पर डटे हैं। किसान सिंधु, टिकरी, पलवल, गाजीपुर सहित कई नाकों पर डटे हैं। इन सबके बीच प्रदर्शनकारी किसान आज शहीदी दिवस मनाएंगे। आज किसान इस आंदोलन के दौरान किसी ना किसी वजह से जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देंगे। आपको बता दें कि किसान संगठनों ने अभी तक के आंदोलन के दौरान शहीद होने वाले किसानों को शहीदों का दर्जा दे दिया है। जिनको श्रद्धांजलि देने के लिए अब दिल्ली के बॉर्डर समेत पंजाब भर में उनके लिए श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित किए जाने का फैसला किया है। सभी किसान संगठनों के पदाधिकारी अपने अपने गांवों में आज श्रद्धांजलि कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे। इसमें सभी किसान संगठनों के सदस्यों के अलावा ग्राम पंचायत, नंबदार, सामाजिक संगठनों की भी विशेष भागीदारी होगी। श्रद्धांजलि सभा 11 बजे से शुरू होगी। तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसान यूनियनों ने कहा कि वे अपना अगला कदम अगले दो तीन दिनों में तय करेंगे। इस सप्ताह के शुरू में सुप्रीम कोर्ट ने उल्लेखित किया था कि वह गतिरोध के समाधान के लिए कृषि विशेषज्ञों और किसान यूनियनों का एक शनिष्पक्ष और स्वतंत्रश समिति गठित करने पर विचार कर रहा है। किसान नेता शिव कुमार कक्का ने कहा कि रणनीति तय करने के लिए यूनियनों के बीच वर्तमान में चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा कि वे इस मामले पर कानूनी राय भी ले रहे हैं। गौरतलब है कि केंद्र सरकार और किसानों के बीच गतिरोध जारी रहने के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को लोगों से कृषि सुधारों पर केंद्र सरकार की ओर से जारी ई–पुस्तिका पढ़ने और उसे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने का आग्रह किया। सरकार ने अंग्रेजी और हिंदी में ई–पुस्तिका जारी की है जो सितंबर में लागू किए गए सुधारों से फायदा उठाने वाले किसानों की सफलता को रेखांकित करती है।

सुधारों पर अड़ियल रवैया– संजय गुप्त

नए कृषि कानूनों को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों ने जैसा रवैया अपना लिया है वह इसलिए विचित्र है, क्योंकि पहले यही दल उसी तरह के सुधारों की मांग किया करते थे जैसे इन कानूनों में किए गए हैं। इन कानूनों के विरोध में किसानों को उकसा–भड़का रहे राजनीतिक दल केवल कृषि सुधारों की बात ही नहीं करते थे, बल्कि उन्हें अपने घोषणापत्र का हिस्सा भी बनाते थे। कांग्रेस इससे मुंह नहीं मोड़ सकती कि पिछले लोकसभा चुनावों के लिए जारी अपने घोषणापत्र में उसने यह लिखा था कि अगर उसकी सरकार बनती है तो कृषि उपज विपणन समिति कानून यानी एपीएमसी एक्ट को वापस लिया जाएगा, कृषि उपज के व्यापार को बढ़ावा दिया जाएगा और यह हर तरह की पाबंदियों से मुक्त होगा। इसके पहले पंजाब में 2017 के विधानसभा चुनाव के दौरान भी कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में मंडी व्यवस्था को सुदृढ़ करने और निजी निवेश को बढ़ावा देने की बात की थी। ऐसी ही बात आम आदमी पार्टी ने भी कही थी। इस पार्टी ने भी पंजाब में विधानसभा चुनाव के दौरान किसानों से वादा किया था कि एपीएमसी एक्ट में इस ढंग से संशोधन किया जाएगा कि किसानों को अपनी उपज राज्य के भीतर और बाहर कहीं भी बेचने का अवसर मिले। इसके साथ ही उसकी ओर से कृषि में बड़े पैमाने पर निजी निवेश की भी वकालत की गई थी। कृषि सुधारों की चर्चा पिछले लगभग दो दशक से हो रही थी। अनेक समितियां, आयोग और विशेषज्ञ कृषि में बुनियादी सुधारों को वक्त की जरूरत बता चुके हैं। गत दिवस प्रधानमंत्री ने इन्हीं सब बातों का उल्लेख करते हुए जिस तरह यह कहा कि विपक्षी दल राजनीतिक स्वार्थ के लिए किसानों को बरगला रहे हैं उससे स्वतरू साबित हो जाता है कि नए कृषि कानूनों को लेकर कैसी संकीर्ण सियासत की जा रही है। इसकी अपेक्षा नहीं है कि अंधविरोध की जिद पर अड़े विपक्षी दल प्रधानमंत्री के इस सवाल का जवाब देने के लिए आगे आएंगे कि नए कृषि कानूनों से उन्हें दिक्कत क्या है? यदि वे अथवा मुट्ठी भर किसान संगठन इस सवाल पर नीर–क्षीर विमर्श के लिए तैयार होते तो अब तक गतिरोध का समाधान हो चुका होता। विपक्षी दल इस सच्चाई से भी मुंह नहीं मोड़ सकते कि जब इन तीनों कानूनों से संबंधित विधेयक संसद में पेश किए गए थे तब उन पर अच्छी–खासी चर्चा हुई थी, लेकिन उनकी दिलचस्पी न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी पर किसानों को गुमराह करने और सरकार और विशेषकर प्रधानमंत्री को कोसने में अधिक थी। अब जब तीनों विधेयक कानून का रूप ले चुके हैं तब उनका विरोध कर विपक्षी दल अवसरवादी राजनीति का ही परिचय दे रहे हैं। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ किसान संगठनों को नए कृषि कानूनों पर कुछ आपत्ति हो सकती है, लेकिन अपनी इन आपत्तियों के आधार पर वे यह जिद पकड़कर नहीं बैठ सकते कि तीनों कृषि कानूनों को रद किया जाए। यह जोर जबरदस्ती वाली मांग है। यह बिल्कुल भी ठीक नहीं होगा कि चंद किसान संगठन अपनी मांग देश भर के किसान संगठनों पर थोप दें अथवा यह दावा करें कि वे देश के समस्त किसानों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस पर गौर करने की जरूरत है कि जब केंद्र सरकार किसानों की हर समस्या का समाधान करने के लिए तत्पर है तब किसान संगठन अडियल रवैया अपनाए हुए हैं। उन्होंने किस हद तक अडियल रुख अपना लिया है, इसका पता इससे चलता है कि वार्ता के दौरान केंद्रीय मंत्रियों के बोलना शुरू करते ही किसान संगठनों के नेता उनके समक्ष पीठ कर बैठ जाते हैं। यह भी किसी से छिपा नहीं कि कुछ किसान संगठन किसानों की आड़ लेकर दिल्ली दंगे के आरोपितों और जेल में बंद संदिग्ध तत्वों की रिहाई की मांग कर रहे हैं। दिल्ली की घेराबंदी वाले कथित आंदोलन के बहाने कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका में खालिस्तानी तत्व भी सक्रिय हो गए हैं। इस सबसे यही लगता है कि वामपंथी, नक्सली और अन्य अतिवादी तत्व किसानों के बहाने अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने में लगे हुए हैं। यह उचित ही है कि मोदी सरकार किसान संगठनों की इस मांग को मानने के लिए तैयार नहीं कि पहले तीनों कृषि कानून वापस लिए जाएं। कृषि मंत्री के साथ–साथ अन्य केंद्रीय मंत्रियों और प्रधानमंत्री ने ऐसे स्पष्ट संकेत दे दिए हैं कि वे इस मांग को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं। यदि इस मांग को स्वीकार कर लिया गया तो किसी भी सरकार के लिए कानून बनाना और उसे लागू करना मुश्किल हो जाएगा। कल को अन्य कानूनों के विरोध में भी दस–बीस हजार लोग दिल्ली आकर यह मांग कर सकते हैं कि अमुक–अमुक कानून वापस लिए जाएं। इस तरह की मांगों को मानने का मतलब होगा नियम–कानून, संविधान और लोकतंत्र की अनदेखी करना। ऐसी मांगों को मानने से केवल शासन चलाना ही मुश्किल नहीं होगा, बल्कि विभिन्न समूहों और संगठनों की अराजकता पर लगाम लगाना भी कठिन होगा। कृषि कानूनों से असहमत किसान संगठनों को धरना–प्रदर्शन करने का अधिकार है, जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा, लेकिन शीर्ष अदालत की इस टिप्पणी की अनदेखी नहीं की जा सकती कि किसान अपनी मांगों को लेकर किसी शहर की नाकेबंदी नहीं कर सकते हैं और विरोध का अधिकार तभी तक है जब तक अन्य लोगों के बुनियादी अधिकार बाधित न हों। फिलहाल यह कहना कठिन है कि सुप्रीम कोर्ट के इस सुझाव पर सरकार का क्या रुख होगा कि क्या कुछ समय के लिए कृषि कानूनों पर अमल रोका जा सकता है?

मिशन मोदी अगेन पीएम के काशी प्रांत की राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। मिशन मोदी अगेन पीएम के काशी प्रांत की राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में आज वाराणसी के गढ़वा घाट स्थित स्वामी हरसेवानंद बॉयज हॉस्टल में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राम गोपाल काका ने बताया कि मिशन मोदी अगेन पीएम के कार्यकर्ता घर–घर गांव गांव जाकर लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से बताएंगे एवं भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए पुनः मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में चुने कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैप्टन एसके द्विवेदी प्रदेश अध्यक्ष अजय दीप सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष स्वामी प्रणवानंद मुनि अर्पित सिंह विजय कुमार सिंह कृष्ण कुमार सिंह बद्री सिंह जयप्रकाश जयसवाल सत्य प्रकाश जी फौजदार चौहान सहित कई अन्य प्रांतों से आए लोग उपस्थित रहे।

चले गये अधिकारी !

कृष्णेन्द्र राय

छोड़कर के आखिर ।
चले गये अधिकारी ।।
हुआ शायद भान ।
शेष बची तरकारी ।।
मिल–बैठ बांट लिए ।
पद मलाईदार ।।
शायद उनको ना मिला ।
थे जिसके हकदार ।।
डूब रहा जहाज ।
रहे हैं पंछी भाग ।।
मची ऐसी भगदड़ ।
लगी जैसे आग ।।
टूटा अगर भरोसा ।
फिर जी का जंजाल ।।
लद चुका है वक्त ।
बारी अब कंगाल ?

कंटेनर भाड़ा वृद्धि से मेक इन यूपी ब्रांड को झटका– सुरेश गांधी

मुनाफे की गणित गड़बड़ाने से खून की आंसू रो रहे कालीन, साड़ी, चावल, हस्तशिल्प निर्यात, प्रोसेस्ड मीट, चर्म उत्पाद के मझोले निर्यातक। वजह : देश में आयात कम होने से कंटेनर्स की आवक का कम होना है। परिणाम : अच्छे ऑर्डर के बावजूद नहीं भेज पा रहे शिपमेंट। निर्यात दर में भी गिरावट, करोड़ों की कालीनें पोर्टो पर डंप। दुगुने दाम पर भी बंदरगाहों पर नहीं मिल रहे कंटेनर। 2000 डॉलर तक कंटेनर किराया वृद्धि से लागत में इजाफा, लेकिन इंपोर्टर आर्डर के मुताबिक कर रहे भुगतान। शीघ्र समस्या का निराकरण न हुआ तो 50 फीसदी घट सकता है इक्सपोर्ट लॉकडाउन के बाद अब अनोखी परेशानी से जूझ रहे यूपी के निर्यातक। जबकि कंटेनर की कमी से 40 फीट कंटेनर बुकिंग के लिए 15 से 20 दिन तक का इंतजार करना पड़ रहा है। खासकर शिपिंग कंपनियों द्वारा कंटेनर भाड़े में वृद्धि किए जाने से अब लागत के सापेक्ष मुनाफे का गणित गड़बड़ा गया है। हाल यह है कि लॉकडाउन के पहले अमेरिका के लिए बुक होने वाले 20 फीट के कंटेनर का किराया करीब 1600 डॉलर था, जबकि 40 फीट के कंटेनर का भाड़ा करीब 2000 डॉलर था। इसी तरह यूरोप के लिए 20 फीट के कंटेनर का भाड़ा पहले 1200 डॉलर था और 40 फीट के कंटेनर का भाड़ा 1400 से 1500 डॉलर था। आज की स्थिति में अमेरिका के लिए 20 फीट के कंटेनर का भाड़ा 3800 डॉलर और 40 फीट के कंटेनर का भाड़ा 4500 से 5500 डॉलर तक पहुंच गया है। इसी तरह यूरोप के लिए 20 फीट के कंटेनर का भाड़ा अब 1600 डॉलर और 40 फीट के कंटेनर का भाड़ा 4500 डॉलर के पार पहुंच चुका है। हाल यह है कि तमाम शिपिंग कंपनियों के ब्रोकर्स ने क्रिसमस तक के लिए ये दाम तय कर दिए हैं। समय रहते यदि स्थितियां नहीं सुधरीं तो निर्यातक संकट में आ जाएंगे। बता दें, यूपी खासकर पूर्वांचल से बड़े पैमाने पर कालीन, साड़ी, चावल, हस्तशिल्प निर्यात, प्रोसेस्ड मीट, चर्म उत्पाद जैसी वस्तुएं निर्यात होती हैं। क्रिसमस के मौके पर इन सामानों की विदेशों में जबरदस्त खपत होती है। इसीलिए निर्यात के लिए यह समय अहम होता है। लेकिन एक–एक कंटेनर पर सैकड़ों डॉलर का बढ़ा हुआ भाड़ा हर निर्यातक पर भारी पड़ रहा है। जो निर्यातक महंगा भाड़ा वहन करने को तैयार हैं, वे तुरंत कंटेनर मांग रहे हैं लेकिन शिपिंग लाइन से तुरंत कंटेनर उपलब्ध नहीं हो पा रहे। इसकी वजह खाली कंटेनरों की कमी है। इसका असर हुआ है कि यूपी से खासकर पूर्वांचल से विदेश जाने वाले कालीन पर पड़ा है।

जनवरी के बाद स्थिति सुधरेगी

कंटेनर कॉर्पोरेशन के डिपो के जीएम अब्दुल्ला कहना है कि अप्रैल से जुलाई तक तीन महीने दुनियाभर के उद्योग बंद रहे। आयात–निर्यात ठप हो गया। उस दौरान खाली कंटेनर नहीं आए। चीन से आयात कम हुआ। कई अन्य देशों में अभी भी लॉकडाउन है, लिहाजा वहां खाली कंटेनर भी फंस गए हैं। मांग और आपूर्ति का असर खाली कंटेनरों के किराए पर नजर आ रहा है। पहले हर महीने करीब 25 हजार कंटेनर लोड होते थे अब आधे हो पा रहे हैं। जनवरी के बाद स्थिति सुधरने की उम्मीद है।

आधा हुआ व्यापार

कंटेनर बुक करने वाले शहर के ब्रोकर या फॉरवर्डर के अनुसार लॉकडाउन के पहले हर महीने भदोही से 1500 कंटेनर लोड होते थे। अब सौ कंटेनर मुश्किल से जा पा रहे हैं। गोदामों में माल रखा हुआ है। विदेश से ऑर्डर भी हैं, लेकिन भेजने के लिए कंटेनर नहीं मिल रहे। 40 के कंटेनर में 28 टन तक माल भेजा जाता है। 20 टन के कंटेनर में 21 से 25 टन तक माल जाता है। पहले कम भाड़ा और सुगम उपलब्धता होने के कारण कई लोग कम माल भरकर भी कंटेनर भेज देते थे। अब स्थिति उलट है।

सरकार करे पहल

इस समय पूर्वांचल का हैंडीक्राफ्ट व हस्तशिल्प उद्योग जीएसटी व विश्वव्यापी मंदी की दोहरी मार झेल रहा है, जिसके चलते निर्यात ग्राफ में भी गिरावट आई है। इस समय निर्यातकों को सरकार की ओर से प्रोत्साहन की जरूरत है। वित्त मंत्रालय, कस्टम्स, नीति आयोग व अन्य सरकारी एजेंसियां निर्यात को बढ़ावा देने के हरसंभव प्रयास कर रही है, लेकिन कंटेनर भाड़े में इजाफा करने से यहां के निर्यातकों पर और भार बढ़ेगा। इस मूल्यवृद्धि से निर्यातकों पर अतिरिक्त भार बढ़ा है। कई एक्सपोर्ट यूनिट्स में निर्यात किया जाने वाला माल शिपमेंट के लिए कंटेनर डिपो पहुंचकर अटक गया है।

उपलब्धता पर प्रभाव

देश से जिन कंटेनर में माल निर्यात होते हैं, वे यदि वहां से खाली मंगवाए जाएं तो भाड़ा निर्यातकों के लिए भारी पड़ जाता है। ऐसे में कंटेनर्स की पूरी दुनिया में ग्लोबल व्यवस्था है। विदेश से आयात हुआ माल कंटेनरों से खाली होने के बाद ये कंटेनर निर्यातकों को उपलब्ध करवा दिए जाते हैं।

चीन से आयात में कमी भी कारण

भारत–चीन सीमा विवाद के चलते हाल ही में चीन से आयात भी बंद है। ऐसे में देश में आने वाले कंटेनर्स की संख्या काफी कम हो गई है। इससे निर्यातकों के यहां से कंटेनर्स रवाना तो हो रहे थे, लेकिन विदेशों से वापसी कम हो गई थी। यही कारण है कि अब कंटेनर्स की कमी होने लगी है।

निर्यातकों की समस्याएं

निर्यातकों के सामने मालवाहक जहाजों में स्थान की अनुपलब्धता की परेशानी भी सामने आ रही है। कंटेनर बुकिंग करने वाले फॉर्वर्डर बुकिंग की तारीख से तीन–चार सप्ताह के बाद जहाजों के लिए बुकिंग जारी कर रहे हैं। अगर जहाज में जगह की अनुपलब्धता के कारण कंटेनर को लोड नहीं किया गया है, तो कुछ शिपिंग लाइनें निर्यातकों से ग्राउड रेंट, डैमेज व डिटेंशन के नाम पर मोटी रकम भी वसूल रही हैं। इससे निर्यातकों को घाटा हो रहा है। वहीं कंटेनर्स समय पर नहीं पहुंचने से उन पर बायर्स पेनल्टी भी लगा रहे हैं।

डिमांड

इस संबंध में मिनिस्ट्री ऑफ शिपिंग व वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय को अवगत करवाया है। यह समस्या पूरे देश के निर्यातकों के सामने आ रही है। ईपीसीएच की ओर से इस समस्या का समाधान करवाने का प्रयास किया जा रहा है। कंटेनर्स की कमी हुई तो समय पर निर्यात नहीं हो पाएगा, जिसका सीधा नुकसान एक्सपोर्टर्स को होगा तथा जहाज में देरी का जुर्माना भी एक्सपोर्टर्स को ही देना होगा।

आर्डर कैंसिल का खतरा

कारोबारियों का कहना है कि कंटेनर नहीं होने से शिपमेंट की डिलीवरी समय पर नहीं हो पा रही है। इससे आर्डर कैंसिल होने का खतरा तो है ही, भुगतान समय पर न होने से बैंक ब्याज वृद्धि की चिंता निर्यातकों को सताने लगी है। निर्यातकों को डर है कि कंटेनर की कमी से दुगुना किराया से कालीनों की लागत बढ़ने के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा में पिछड़ने से इस साल निर्यात में 50 फीसदी की गिरावट आ सकती है।

सरकार का दावा

निर्यात में 50 प्रतिशत बढ़ोतरी करने वाले अतिरिक्त निर्यात करेंगे तो उसका एक प्रतिशत (अधिकतम एक करोड़ रुपये) प्रोत्साहन के रूप में दिए जाएंगे। सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) में अपने टर्न ओवर का 50 प्रतिशत से अधिक का निर्यात करने वाली कंपनियां पांच साल तक इलेक्ट्रसिटी ड्यूटी से छूट का अतिरिक्त लाभ पाएंगी।

दो करोड़ की भाड़ा प्रतिपूर्ति

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एमएसएमई विभाग ने 2020 से 2025 तक की नई निर्यात नीति का मसौदा तैयार कर लिया है। इसे जल्दी ही मंत्रिपरिषद से पास कराया जाएगा। माल को बंदरगाह तक पहुंचाने के लिए एक साल में एक यूनिट को अधिकतम 2 करोड़ रुपये भाड़ा प्रतिपूर्ति के रूप में दिए जांएगे। ट्रक से माल भेजने पर 50 लाख सालाना मिलेंगे। लखनऊ व वाराणसी के एयर कार्गो काम्प्लेक्स समेत देश के अन्य कार्गो से उत्पाद भेजने पर अब दो लाख रुपये के बजाए सालाना अधिकतम 25 लाख रुपये देने की योजना है।

निर्यातकों को दिया जाएगा ग्रीन कार्ड

निर्यातकों को उनके आयात व निर्यात वाले कंसाइन्मेंट के परिवहन के लिए ग्रीन कार्ड दिए जाएंगे। इससे उनके माल वाहक वाहनों का चेक पोस्ट पर न्यूनतम परीक्षण होगा और उन्हें अनावश्यक रूप से रोका नहीं जाएगा। ब्रांड प्रमोशन के लिए यूपी में निर्मित होने वाले उत्पादों व सेवाओं को वैश्विक स्तर पर एक प्रतिष्ठित प्रतिस्पर्धी ब्रांड के रूप में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए ब्रांड इक्विटी फंड बनेगा। इसी तरह मार्केट रिसर्च व डाटा बेस के लिए भी अलग से फंड बनेगा। आईटी क्षेत्र में बायर सेलर मीट के लिए बिजनेस फैसिलिटेशन फोरम बनेगा। जीएसटी सेल बनेगा। राज्य सरकार द्वारा सहायता प्राप्त फ्लैटेड इंडस्ट्रियल पार्क में लगी निर्यातक यूनिट को 25 प्रतिशत अतिरिक्त फ्लोर एरिया रेशियो दिया जाएगा।

पशु ई –हाट पोर्टल बनेगा

पशु क्रय विक्रय के लिए पशु ई –हाट पोर्टल विकसित किया जाएगा। निर्यातोन्मुखी इकाइयों में नर भैंसा उत्पादन पर इन्सेंटिव दिया जाएगा। कृषि क्षेत्र से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए किसानों की आय दुगनी करने पर विशेष काम होगा। उद्योग प्रोत्साहन व उद्यमिता विकास केंद्र को निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो के रूप में विकसित किया जाएगा। निर्यात संवर्धन परिषद को सरकार के नॉलेज पार्टनर के तौर पर विकसित किया जाएगा।

प्रमुख उत्पाद निर्यात में यूपी की हिस्सेदारी

हस्तशिल्प निर्यात 45 प्रतिशत
प्रोसेस्ड मीट 41 प्रतिशत
कालीन 60 प्रतिशत
चर्म उत्पाद 26 प्रतिशत

खास बातें , कालीन अन्य टेक्सटाइल, फ्लोरकवरिंग, मीट, पीतल के सजावटी उत्पाद, खिलौने, स्पोर्ट्स पार्ट्स और लकड़ी उत्पाद के निर्यात में यूपी नंबर एक पर है। यूपी से 2017–18 में कुल 88966 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ। देश के निर्यात में यूपी की हिस्सेदारी 4. 55 प्रतिशत है। यूपी से निर्यात वाले देश अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, वियतनाम, ब्रिटेन, नेपाल, जर्मनी, चीन, फ्रांस, स्पेन तथा मलेशिया। निर्यात में यूपी देश में पांचवे नंबर पर है।

श्री सत्य साईं बाबा के जीवन वृत पर आधारित फिल्म–"सत्य साईं बाबा" में सत्य साईं बाबा के रूप में नजर आएंगे भजन सम्राट अनूप जलोटा

प्रखर मनोरंजन। फिल्म निर्माता बालाकृष्ण श्रीवास्तव के होम प्रोडक्शन के बैनर तले विक्की राणावत के निर्देशन में बन रही फिल्म श्सत्य साईं बाबाश केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए भजन सम्राट अनूप जलोटा को अनुबंधित किया गया है।इस फिल्म में अनूप जलोटा के अलावा जैकी श्रॉफ, साधिका रंधावा, गोविंद नामदेव, अरुण बख्शी और मुश्ताक खान जैसे सितारे भी अपने अभिनय का जलवा बिखेरते नजर आएंगे। सत्य साईं बाबा का जन्म 23 नवंबर, 1926 को हुआ था। सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में उनके असंख्य अनुयायी हैं। 24 अप्रैल 2011 को एक लंबी बीमारी के बाद बाबा ने चिरसमाधि ले ली। बाबा को प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु शिरडी के साईं बाबा का अवतार माना जाता है। पिछले दिनों अंधेरी(मुम्बई) स्थित कंट्री क्लब में आयोजित सिनेमा आज तक अवार्ड समारोह 2020 में गुरु माँ हिमांगी सखी और फिल्म निर्माता सावन कुमार टॉक द्वारा ट्राफी दे कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अनूप जलोटा अवार्ड समारोह में सत्य साईं बाबा के रूप में पहुंचे थे। अवार्ड समारोह में फिल्म–श सत्य साई बाबा श के निर्देशक विक्की रणावत, निर्माता बाल कृष्णा श्रीवास्तव, नायिका साधिका रंधावा, अभिनेता गोविंद नामदेव को भी सम्मानित किया गया। भजन सम्राट अपनी इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं।सत्य साईं बाबा की यह बायोपिक 22 जनवरी, 2021 को रिलीज हो सकती है।

एच टी तार की जद में आने से पूर्व सैनिक झुलसा

प्रखर सेवराई गाजीपुर। स्थानीय तहसील क्षेत्र के भदौरा पुलिस चौकी के पास शनिवार की देर शाम अलाव जलाने के लिए लकड़ी तोड़ रहे भूतपूर्व सैनिक 65 का हाईटेंशन तार की चपेट में आ जाने से वह बुरी तरह से झुलस गया। गहमर थाना क्षेत्र के अंतर्गत भदौरा पुलिस चौकी के पास सेना से सेवानिवृत्त अशोक गुप्ता (65)अपने घर के बाहर शनिवार की शाम पेड़ से लकड़ी तोड़ रहे थे की पेड़ से सट कर गुजर रहा हाईटेंशन तार की चपेट में आ गए करंट लगते हैं लोगों की भीड़ जमा हो गई आनन–फानन में उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भदौरा ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति नाजुक होने के कारण गाजीपुर के लिए रेफर कर दिया गया समाचार लिखे जाने तक उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई थी।

पवन तनय मिश्रा ने किया जनसंपर्क

प्रखर जलालपुर गाजीपुर। युवा नेता पवन तनय मिश्रा के नेतृत्व में विकास खण्ड जलालपुर के वार्ड नम्बर 65 में चलाया गया जन सम्पर्क अभियान मिश्रा जी ने क्षेत्रवासियों से जन सम्पर्क किया और उनकी समस्याओं को जाना उन्हों ने विश्वास दिलाया कि जल्द ही इन समस्याओं का निवारण होगा हम प्रयासरत हैं हमारा हैं एक ही संकल्प क्षेत्र का हो कायाकल्प पवन तनय मिश्रा के साथ इस मुहिम में युवा साथी अमन सिंह, अक्षय मिश्रा , विपुल सिंह , सोनू यादव ,रिंकू जी, राहुल पांडेय ,पवन सिंह ,गौरव उपाध्याय , परमीत सिंह , विकास सिंह, राहुल राय , चन्दन पांडेय , सुधांशु जी ,आकाश राय , अनीश सिंह, सौरभ मिश्रा , विकास यादव ,अनुज , पंकज चौहान , विकास चौहान, दिनेश यादव , जितेंद्र सिंह ,अमन पांडेय आदि युवा साथियों ने घर घर जाकर जन सम्पर्क किया।

एएए को प्रशिक्षित करने की तैयारी में जुटें सभी मास्टर ट्रेनर्स–सीएमओ

प्रशिक्षित किए गए जिले के करीब आठ दर्जन मास्टर ट्रेनर्स

प्रखर महराजगंज। कोविड टीकाकरण के तैयारी के संबंध में जिला स्तर पर आयोजित प्रशिक्षण में करीब आठ दर्जन मास्टर ट्रेनर्स को शुक्रवार को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अब सभी प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स अपने–अपने ब्लॉकों में जाकर ट्रिपल ए के प्रशिक्षण की तैयारी करें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी अधीक्षकों, प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों, बीपीएम, बीसीपीएम, डेटा हैंडलर, स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारियों तथा बाल विकास परियोजना अधिकारियों को कोल्डचेन मैनेजमेंट,कोविन पोर्टल,वैक्सीन मैनेजमेंट तथा वेस्टेज मैनेजमेंट के बारे में प्रशिक्षित किया गया। कोरोना बचाव अभियान के नोडल अधिकारी डॉ.आईए अंसारी ने सभी मास्टर ट्रेनर्स से कहा कि सभी अपने दायित्वों का सही ढंग से निर्वहन करें। ब्लॉक की आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी तथा एएनएम को प्रशिक्षित करने के लिए कार्य योजना भी तैयार करें। यूएनडीपी के जिला कोल्ड चेन मैनेजर नागेन्द्र पांडेय ने बताया कि वैक्सीन के रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के साथ उसे उचित तापमान पर रखा जाएगा। टीकाकरण सत्र पर वैक्सीन सुरक्षा व्यवस्था के बीच भेजी जायेगी। टीकाकरण कार्य में लगने वाले स्वास्थ्यकर्मियों तथा लाभार्थियों के नाम व मोबाइल नंबर कोविन पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है, ताकि उन्हें एसएमएस के जरिए सूचना भेजी जा सके। टीका लगने के बाद प्रमाण पत्र भी मोबाइल मैसेज के जरिये भेजा जाएगा। प्रशिक्षक अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश कुमार तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक नीरज सिंह ने कहा कि प्रत्येक टीकाकरण सत्र स्थल पर छह लोगों की ड्यूटी लगायी जाएगी, जिसमें दो सुरक्षा कर्मी, एक सत्यापन कर्ता, एक वैक्सीनेटर, तथा दो प्रेरक होंगे। यूनिसेफ के जिला समन्वयक संतोष श्रीवास्तव ने कहा कि टीका लगाते समय वैक्सीनेटर को विशेष सावधानी बरतनी होगी। उन्होंने कोल्ड चेन प्रबंधन, सामुदायिक प्रेरण तथा मीडिया कम्युनिकेशन के बारे में विस्तार से बताया। डब्ल्यूएचओ के सर्विलांस मेडिकल आफिसर डॉ. विकास यादव ने वैक्सीनेटर्स को प्रशिक्षित करने के बारे में जानकारी दिया। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले मास्टर ट्रेनर और जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी श्रीभागवत सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण में मिली जानकारी के मुताबिक 27 दिसंबर तक फ्रंटलाइन वर्कर्स को कोविड टीकाकरण के लिए प्रशिक्षित कर देना है। पहले चरण में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर टीका लगेगा, उसके लिए तैयारी कर लेनी है। ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कहा कि टीकाकरण के लिए ऑनलाइन माइक्रो प्लान और टीकाकरण सत्र की व्यवस्था तैयार कर लेनी है। टीकाकरण सत्र पर तैनात होने वाले कर्मियों को उनके दायित्वों के प्रति प्रशिक्षित करवाना है।

ठंड में ठिठुर रहे छुट्टा पशु, इंजताम नाकाफी

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज। जनपद महराजगंज में तीन चार दिनों से ठंडक ने अपना पांव तेजी से पसारा।जिले से सटा पडोसी देश नेपाल की पहाड़ी हिमालय की बर्फीली चोटियो से हिमस्खलन होने पर ठंड में इजाफा हो जाता है। बढ़ती ठंड के कारण छुट्टा पशु ठंड से ठिठुरने लगे है । इन छुट्टा बेसहारा पशु भी ठंड के शिकार हो रहे हैं। सरकार द्वारा गौशाला का निर्माण कराया गया है परंतु इन्हें वहां तक पहुंचाने में जिम्मेदार मौन बैठे हैं। गोवंशीय पशुओं को ठंड से बचाव के इंतजाम नाकाफी दिख रहे है । गौशाले की जगह सड़क पर छुट्टा पशु खुलेआम दिख रहे है । बल्कि इनकीं सुरक्षित स्थान को ले जाने के लिए शासन आँखे फेर रहे है । सड़क पर घूम रहे बेसहारा पशुओं के लिए मधवलिया में गो–आश्रय स्थल का निर्माण कराने के वावजूद भी छुट्टा पशु को गौशाले की राह से दूर क्यों है । बेसहारा पशु ठंड के बीच सड़क पर ठिठुर ने लगे है । इनकीं उचित व्यवस्था के लिए हर राहे फेल होते जा रहे है न ही बेसहारा पशु के लिए निजात के लिए सोची गई । जिधर भी सडको पर नजर पडती है भीड वाली जगहो पर भरे बाजार में छुट्टा पशु खुलेआम ठंड में घूम रहे हैं ।राहगीर बाईक सवार ट्रक चालक भी बचाव करते हुए आगे बढते है। जिसके कारण दिन में चल रही सरसराती पछुआ हवा और रात मे ठिठुरन की मार झेलने को गोवंशीय पशु विवश हैं। कोहरे की मार ,कहि छुट्टा पशु हो न जाए दुर्घटना के शिकार । शाम ढलते ही सड़क पर कोहरे की मार बहुत तेजी से दिखने को मिल रही है । राहे कोहरे की चादर में लिपटने के लिए तैयार है । कोहरे से इसका असर बेसहारा पशुओं पर पडता है दुर्घटना का शिकार हो सकते है।

क्रिकेट प्रतियोगिता में बारा विजयी,क्रिकेट में आखिरी गेंद भी महत्वपूर्ण– परवेज खान

प्रखर सेवराई गाजीपुर। तहसील क्षेत्र के गोड्सरा गांव में बदरुद्दीन मेमोरियल क्रिकेट क्लब के सौजन्य से चल रहे क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच रविवार को बारा बनाम कैथी गोड्सरा के बीच खेला गया। फाइनल मैच के मुख्य अतिथि बसपा नेता यूसुफ परवेज खान खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर कार्यक्रम का आगाज किया। गोड्सरा गांव के मैदान पर चल रहे क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतिम दिन रविवार को फाइनल मैच बारा और कैथी गोड्सरा के बीच खेला गया। टॉस जीतकर कैथी गोड्सरा ने बारा की टीम को बल्लेबाजी करने का जिम्मा सौंपा। जिसमे बारा की टीम ने निर्धारित 15 ओभर में 54 रन का लक्ष्य कैथी गोड्सरा को दिया। वही कैथी गोड़सरा की टीम ने 51 रनों पर ही सिमट गई । बारा ने ट्राफी पर अपना कब्जा बनाया। लोगो को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि बसपा नेता यूसुफ परवेज खान ने कहा कि खेल को खेल की भावना के साथ ही खेलना चाहिए। आज के दौर में खेलो में नौजवान अपने खेल में बेहतर प्रदर्शन कर अपने प्रदेश और देश का नाम रौशन कर रहे है। आज का मैच देख कर यह लगा कि क्रिकेट के खेल में आखिरी गेंद भी महत्व पूर्ण होती है। जीवन मे पढ़ाई के साथ साथ खेल भी बहुत जरूरी है। इस मौके पर पूर्व सुब्रतो खिलाड़ी एनुल हक खान, पूर्व प्रधान सगीर खान,हाजी मुजीब खान, एजाज खान,शमशाद खान, हाकिम खान,तबरेज,अकबर,राजू,आरिफ,फुरकान,सज्जाद,सलाम, वाजिद,जावेद आदि लोग मौजूद रहे ।अंपायर की भूमिका में तौकीर खान उर्फ लड्डू और अहमद खान रहे। कमेंटेटर इरफान खान रहे।

गरीबो को कम्बल बाटकर मनाया अपना जन्मदिन –धीरु यादव

प्रखर सैदपुर खानपुर गाजीपुर। कल यानि 20 दिसम्बर के दिन फिल्मी जगत के निर्देशक धीरू यादव जी का जन्मदिन था।इस खास मौके पर धीरू यादव ने प्रचारक सोनू यादव के माध्यम से गरीबो में कम्बल का वितरण करवाया इस नेक कार्य मे लोगो ने उन्हें आशीर्वाद और दुआएं दी। जन्मदिन पर भोजपुरी और बॉलीवुड फिल्म जगत से जुड़े लोगो और सगे संबंधियो मित्रो की बधाईयो का ताता लगा रहा और उनके चाहने वाले लोगो ने जन्मदिन को मुंबई के अलावा बिहार उत्तरप्रदेश कोलकाता आदि कई जगहों से लोगो ने बधाई दी और खुशहाल जीवन की कामना की। इस मौके पर धीरू यादव ने कहा की मेरे इस जन्मदिन को खास बनाने वाले सभी लोगो का आभारी हूँ जिन्होंने अपना समझकर मेरे जन्मदिन की खास बनाया बहुत बहुत धन्यवाद मुझे बस आप सभी का प्यार आशीर्वाद ऐसे मिलता रहे ताकि आप सभी के लिए अच्छी अच्छी फिल्मो का निर्देशन करता रहूँ। बता दे की निर्देशक धीरू यादव युवा और मेहनती निर्देशक है जिन्होंने अपनी मेहनत और टैलेंट की वजह से आज कई फिल्मो का निर्देशन कर चुके है।

राष्ट्रीय संत गाड़गे महाराज के 64वें परिनिर्वाण दिवस आयोजित संगोष्ठी में स्मरण कर किया गया पुष्पार्चन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। जनक बताया,संत गाडगे जिला धोबीघाट बचाओ महाराज जहां भी जाते हाथ मे समिति के तत्वावधान में झाड़ू व मिट्टी का पात्र गाडगा कोनिया घाट पर राष्ट्र संत लेकर जाते व उस क्षेत्र की श्री गाडगे महाराज जी के स्वच्छता करने लग जाते व 64वें परिनिर्वाण दिवस के स्वच्छता के उपरांत उस क्षेत्र अवसर पर उनके संस्मरणों के लोगो को धन्यवाद भी देते। को स्मरण कर उनके चित्र राकेश कनौजिया,महानगर पर पुष्पांजलि अर्पित किया सलाहकार ने बताया कि संत गया। संत श्री के समाज के गाडगे अशिक्षित होते हुए भी प्रति दिए गए संदेशों पर जनहित में महाराष्ट्र में अनेक चर्चा करते हुए मुख्य वक्ता व शिक्षण संस्थान, धर्मशाला व समिति के जिला महामंत्री निरीह जानवरों के लिए श्री रजनीश कनौजिया ने आश्रय स्थल का निर्माण कहा कि संत श्री ने समाज कराया। कार्यक्रम में कोनिया व्याप्त कुरीतियों व घाट के अध्यक्ष रविन्द्र अंधविश्वास का घोर विरोध कनौजिया व महामंत्री दिलीप किया व शिक्षा पर जोर देते कनौजिया ने आए हुए हुए कहा था कि भले आधा अतिथियों का स्वागत किया। पेट खाओ,जरूरत पड़े तो धन्यवाद ज्ञापन महानगर घर के गहने,बर्तन बेच दो अध्यक्ष राजेश कनौजिया ने परंतु अपने बच्चों को शिक्षित किया।कार्यक्रम मे सुखलाल बनाओ।कार्यक्रम का कनौजिया,राजेश वीरा,अनिल संचालन करते हुए समिति कनौजिया,सहित रजक सलाहकार राजू कनौजिया समाज के लोग उपस्थित रहे। ने संत गाडगे जी को स्वच्छता अभियान का

याद किये गए काकोरी के शहीद! बिस्मिल–अशफाक सही मायने में राष्ट्र के हीरो– एडवोकेट बोजगर

प्रखर मुंबई। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी शहीद अशफाकुल्लाह खान, पंडित रामप्रसाद बिस्मिल, रोशन सिंह और राजेंद्रनाथ लाहिड़ी के 'बलिदान दिवस' पर 'एक शाम काकोरी के शहीदों के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शहीद–ए–वतन बिस्मिल अशफाक फाउंडेशन (रजि) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में काकोरी कांड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। गौरतलब है कि शहीद अशफाकउल्लाह खान, पंडित रामप्रसाद बिस्मिल और रोशन सिंह को १६ दिसंबर १९२७ को फांसी हुई थी। इन तीनों के एक और साथी राजेंद्रनाथ लाहिड़ी को १७ दिसंबर को ही फांसी दे दी गई थी। वरिष्ठ पत्रकार और संस्था के अध्यक्ष सैयद सलमान ने इस अवसर पर बिस्मिल–अशफाक की मित्रता, स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका, उनके राष्ट्र प्रेम और एक दूसरे के प्रति उनके प्रगाढ़ रिश्तों पर अपने विचार रखते हुए दोनों को निर्विवाद रूप से हिंदू–मुस्लिम एकता का अनुपम उदहारण बताया। उन्होंने बिस्मिल–अशफाक को आदर्श मानकर राष्ट्रनिर्माण में युवाओं को आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडवोकेट चंद्रकांत बोजगर ने आजादी की लड़ाई में अपनी जान न्यौछावर करने वाले शहीदों के राष्ट्रीय एकात्मता और सद्भाव के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने बिस्मिल–अशफाक को राष्ट्रीय हीरो बताते हुए उनके मार्ग पर चलकर सांप्रदायिक शक्तियों से मुकाबला करने की बात कही। ट्रेड यूनियन नेता कमल रावत ने सामाजिक सौहार्द कायम रखने और उसके लिए संघर्षरत रहने की युवा वर्ग से अपील की। एनसीपी नेता सलीम मापखान, फैयाज खान, युवा कांग्रेस नेता इमरान जाहिद खान ने भी सभा को संबोधित किया। संस्था के ट्रस्टी नूर अहमद खान, अरुण मिश्रा, सैयद इरफान, इंद्रेश दुबे, पंकज सोनी, आरिफ अंसारी, महताब शेख, युसूफ शाह, जहीर खान और अशरफ खान ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहे मशहूर शायर आलम निजामी और अख्तर इलाहाबादी, जिन्होंने अपने देशभक्ति और सूफियाना कलाम से लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार जितेंद्र यादव ने और आभार प्रदर्शन परवेज खान ने किया।

खुलकर उड़ रही यातायात नियम व सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां

प्रखर विशेष। कोरोना वायरस जैसी भयंकर महामारी का प्रकोप झेल रहे जनमानस लॉकडाउन के समय सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते खूब नजर आए लेकिन लाक डाउन हटते ही वही जनमानस और स्थानीय प्रशासन पूरी तरह लापरवाह नजर आ रहा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय जनपद वाराणसी के ग्रामीण परिक्षेत्र में आने वाली सिंधोरा बाजार का हाल भी कुछ यही दृश्य प्रकट करता है यहां पर शायद ही कोई दुकानदार ग्राहक या मुसाफिर ऐसा हो जो उचित दूरी व मास्क का प्रयोग करते हुए नजर आता हो जानकारी के लिए बता दें कि सिंधोरा बाजार में लगभग 100 ग्राम सभाओ से ऊपर ग्रामीण खरीदारी करने आते हैं यह बाजार ग्रामीण परी क्षेत्र में व्यापार का गढ़ माना जाता है जहां पर सुरक्षा व शांति कायम रखने के लिए सिंधोरा पुलिस चौकी की जिम्मेदारी थी पूर्व एसएसपी प्रभाकर चौधरी द्वारा सिंधोरा थाने की नींव रखी गई जिसका निर्माण कार्य प्रारंभ है स्थानीय प्रशासन को और मजबूत बनाने के लिए सिंधोरा पुलिस चौकी के बगल में ही किराए के भवन में सिंधोरा थाना संचालित कराया गया 65 ग्राम सभाओ का दायरा समेटे स्थानीय प्रशासन मूकदर्शक की भांति बने रहते हैं इस बाजार के किसी भी चौराहे या तिराहे पर पुलिसकर्मी नजर नहीं आते जिसकी नजीर आपको सिंधोरा बजार या सिंधोरा चौराहे पर देखने को मिल जाएगी हर एक मिनट में आपको तीन सवारी या चार सवारी बैठाए फर्राटा भरते हुए मोटरसाइकिल मिल जाएंगी थाने से कुछ दूरी पर स्थित चौराहे पर यह आलम प्रतिदिन देखने को मिलता है पर स्थानीय प्रशासन का कुछ अता पता नहीं चलता बेखौफ होकर के मोटरसाइकिल सवार सोशल डिस्टेंसिंग व यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाते रहते हैं ग्राहकों व दुकानदारों का भी वही आलम है यह सब देखकर यह प्रतीत होता है जनता के साथ साथ स्थानीय प्रशासन भी बेपरवाह हो चुके हैं।

ठंड की असर अलाव की व्यवस्था नहीं ग्रामीण परेशान

प्रखर सेवराई गाजीपुर। दिसंबर माह शुरू होते ही ठंड ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है ठंड और गलन से बचने के लिए बाजारों में ऊनी कपड़ों की खरीदारी हो रही है लोग बचने के लिए विभिन्न तरह के उपाय अपना रहे हैं।वही तहसील क्षेत्र के विभिन्न गांव और बाजारों में प्रशासनिक स्तर पर अलाव की व्यवस्था ना होने से लोग ठंढ से ठिठुर रहे हैं। रविवार को पूरे दिन ठंड और गलन से लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त रहा। रविवार को ठंड और गलन से सुबह होते ही गुलजार होने वाली बाजार में दोपहर तक सन्नाटा पसरा रहा।भदौरा बाजार और तहसील मुख्यालय होने के बावजूद दर्जनों गांव के सैकड़ों लोग प्रतिदिन विभिन्न कामों से तहसील मुख्यालय ब्लॉक मुख्यालय समेत मुख्य मार्केट में अपने अपने कामों से आते हैं लेकिन ठंड से बचने की कोई भी उपाय लोगों को नहीं दिख रही है।लोगों की सुविधा में जलाए जाने वाली अलाव नही जलाने से लोगो को परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है।

हाड़ कपकपाती इस ठंढ तहसील क्षेत्र के किसी भी सार्वजनिक जगहों पर प्रशासन द्वारा कही भी अलाव जलाने की व्यवस्था नही की गई है। कड़ाके की इस ठंढ से लोगो का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। शनिवार की देर शाम जागरूक कल्याण समिति सतराम गंज बाजार सेवराई द्वारा अलग–अलग जगहों पर अलाव जलवाया गया। यूनियन बैंक भदौरा ,चौक, मछली मंडी, रेलवे फाटक, सोसाइटी सब्जी मंडी और भदौरा बस स्टैंड सहित कई मुख्य जगहों पर अलाव जलाया गया । इस मौके पर संजय गुप्ता, सोमनाथ जयसवाल, अरुण गुप्ता, राजीव कुमार जयसवाल, गोपाल ठठेरा, लोहा, सागर गुप्ता ,लेपटु, चंदन शर्मा आदि लोग रहे।

चौहान समाज एकजुट हो– चन्दन सिंह चौहान

खालिसपुर में सम्पन्न हुआ कार्यकर्ता सम्मेलन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पृथ्वीराज चौहान जनशक्ति पार्टी के के राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्दन सिंह चौहान ने कहाकि कार्यकर्ता पार्टी के रीढ़ होते हैं। चौहान समाज को किसी भी सरकार ने मान सम्मान नही दिया है। उक्त बातें पिंडरा विस् क्षेत्र के खालिसपुर में आयोजित विस् स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि चौहान समाज को किसी भी दल ने संबैधानिक हक अधिकार नहीं दिया। समाज के लोगों को अपने हक और अधिकार को पाने के लिए एकजुट होना होगा। पंचायत चुनाव में भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने किसानों के मुद्दे पर कहाकि सरकार किसान के हितों को ध्यान में रखकर उनसे वार्ता खुले दिल से करना चाहिए। सम्मेलन की अध्यक्षता रामाशंकर चौहान व संचालन जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार चौहान ने किया। इस दौरान कमलेश यादव, राजेन्द्र मौर्य, चन्द्रिका जायसवाल, डॉ सीबी मौर्य, अनिल चौहान, सन्तोष, खुशबू गोंड़, सीमा राजभर, रामजीत, अजित समेत अनेक लोगों ने सम्मेलन को सम्बोधित किया। सम्मेलन दोपहर एक बजे से 3 बजे तक चला।

रेलवे क्रॉसिंग पार करते हुए ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात महिला हुई जखमी

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। महराजगंज जनपद के थाना क्षेत्र कोठीभार अंतर्गत सिसवा से नरकटियागंज रेल मार्ग सबया अहिरौली के समीप रेलवे लाइन पार कर रही एक लगभग 70 वर्षीय अज्ञात महिला ट्रेन की चपेट में आने से पैर कट गया। पैर कटने से ट्रेन पटरी पर तड़पने की सूचना पाकर मौके पर पहुंची एंबुलेंस व यूपी 112 ने तत्काल प्रभाव से उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिसवा पहुंचाया मिली जानकारी के अनुसार खबर लिखे जाने तक तक महिला का पहचान नहीं हो सका है। हालांकि प्राथमिकी इलाज हेतु कोठीभार पुलिस साथ में गई। बताया जाता है कि समय करीब 12रू30 बजे उक्त महिला किसी कारणवश ट्रेन पटरी से गुजर रही थी कि पैर पटरी में फंस जाने के कारण ऐसी वारदात का शिकार हो गई। खबर लिखे जाने तक उक्त महिला की पहचान नहीं हो सके अगर आप पहचान रहे हो तो सूचना मो0– 87566446869 करें। महराजगंज के कोठीभार थाना क्षेत्र अंतर्गत सिसवा से नरकटियागंज रेल मार्ग सबया अहिरौली के समीप एक 70 वर्षीय अज्ञात महिला की पैर कटने से ट्रेन पटरी पर तड़पने की सूचना पाकर मौके पर पहुंची एंबुलेंस व यूपी 112 ने तत्काल प्रभाव से उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिसवा पहुंचाया खबर लिखे जाने तक तक महिला का पहचान नहीं हो सका है। हालांकि प्राथमिकी इलाज हेतु कोठीभार पुलिस साथ में गई। बताया जाता है कि समय करीब 12 बजे उक्त महिला किसी कारणवश ट्रेन पटरी से गुजर रही थी कि पैर पटरी में फंस जाने के कारण ऐसी वारदात का शिकार हो गई। खबर लिखे जाने तक उक्त महिला की पहचान नहीं हो सकी।

युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने किया रिलायंस जिओ सिम का बहिष्कार

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। किसानों के समर्थन में आज महानगर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा वाराणसी में एक प्रदर्शनी का स्टाल लगाकर जिओ सिम व रिलायंस का बहिष्कार कार्यक्रम से पहले ही तानाशाह सरकार ने पुलिस के बल पर युवा कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष मयंक चौबे व उत्तरी विधानसभा कोऑर्डिनेटर रोहित दुबे समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं को नजरबंद कर लिया मौजूदा स्थान पर ही नजरबंद कार्यकर्ताओं ने पुलिस की निगरानी में जिओ के तख्ती का पुतला दहन कर कार्यक्रम को किया और कार्यकर्ताओं द्वारा जिओ सिम के बहिष्कार के लिए नारेबाजी किया गया जिओ सिम के बहिष्कार करते जिओ सिम को एयरटेल और बीएसएनएल में पोर्ट कराने का आह्वाहन किया। महानगर अध्यक्ष राघवेन्द्र चौबे ने कहा की लगातार एक ही व्यक्ति को खुश करने के लिए पूरे देश को बेचा जा रहा है किसान लगभग एक महीने से दिल्ली बॉर्डर पर अपने हक की लड़ाई लड़ रहा हैं इस कड़ाके की ठंड में सरकार किसानों की मांग को स्वीकार नहीं कर रही है अडानी और अंबानी को तानाशाह सरकार पूरा देश बेचने को तैयार है क्या किसान इस देश का नागरिक नहीं है यह सरकार किसान विरोधी है और इस सरकार को किसान आने वाले चुनाव में जबरदस्त जवाब देंगे और इस सरकार की विदाई करने में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे । कार्यक्रम में मुख्य रूप से महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे,महानगर अध्यक्ष युवा कांग्रेस मयंक चौबे, प्रदेश सचिव चंचल शर्मा, रोहित दुबे, अनुभव राय, विनीत चौबे, परवेज खान, प्रिंस चौबे, विनय मौर्य, किशन यादव, आनंद पाठक, आयुष तिवारी, नवीन पटवानी, मोहम्मद आदिल, आदर्श चौबे, इशाक चौबे समेत युवा कांग्रेस से सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

मानव तस्करी रोकथाम के लिए पुलिस के साथ आम जनता का भी सहयोग जरूरी है– सीओ नौतनवा

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। जनपद महाराजगंज थाना क्षेत्र नौतनवा पुलिस क्षेत्राधिकारी के अध्यक्षता में एक बैठक हुई जिसमें मानव तस्करी के रोकथाम सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा हुई। इस मौके पर पुलिस क्षेत्राधिकारी अजय सिंह चौहान ने कहा कि मानव तस्करी पर रोकथाम के लिए पुलिस सक्रिय है लेकिन इस दिशा में आम जनता का भी सहयोग जरूरी है उन्होंने कहा कि अगर ऐसा कार्य कहीं हो रहा है तो जनता निर्भीक होकर पुलिस को बताए ताकि उस पर रोकथाम लगाई जा सके नेपाली स्वयंसेवी संस्था पहरावा के निजामुद्दीन खान विकास देवकोटा पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति के सदस्य पुष्पा चौधरी जी एन के प्लान के सदस्यों ने भी मानव तस्करी के रोकथाम के मुद्दे पर अपने विचार व्यक्त किए साथ ही दोनों देश के आपसी समन्वय बनाने की दिशा में जोर दिया बैठक में थानाध्यक्ष नौतनवा छोटेलाल सुनौली थानाध्यक्ष धनंजय सिंह बरगदवा थाना कमलेश सिंह उप निरीक्षक सूर्य प्रकाश पांडे गुलाब यादव अरविंद कुमार यादव विकास यादव गौरव यादव सहित अनेक पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

भारतीय जनता पार्टी मंडल रामनगर आवश्यक मासिक बैठक की गई

प्रखर रामनगर वाराणसी। रविवार दोपहर 1 बजे मच्छरहट्टा वार्ड के स्वामी विवेकानंद विद्यालय प्रांगण में संपन्न हुई। जिसमें रामनगर मंडल के नवनियुक्त मंडल प्रभारी श्री डॉक्टर नंदकिशोर पांडेय जी का स्वागत परिचय हुआ। जिसमें उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों के साथ परिचय उनका मार्गदर्शन करते हुए कहा वर्तमान समय में भाजपा पार्टी ही एकमात्र विकल्प है। उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए कार्यकर्ताओं को संगठन के रीति नीति सिद्धांतो व योजनाओं पर फोकस करते हुए आम जनता के बीच संगठन जाए और उन्हें माननीय मोदी जी एवम माननीय योगी जी के द्वारा देश व प्रदेश में के लिए लाये गए योजनाओं को एकजुट होकर बताने का कार्य करने की बात कही। बैठक में मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह राघवेंद्र मिश्रा सुनील गुप्ता महेश पटेल विनोद पटेल राजन पाठक अविनाश चौहान रतन देवी कंचन निषाद संजय बाल्मीकि कन्हैया लाल श्रीवास्तव मानसिंह अनिरुद्ध कनौजिया आनंद शर्मा प्रमुख रूप से हुए कार्यकर्ताओं को संगठन उपस्थित थे।

एमए अंग्रेजी के छुटे हुए विद्यार्थियों की मौखिक परीक्षा 23 को

प्रखर जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध तिलकधारी महाविद्यालय के अंग्रेजी विषय के विभागाध्यक्ष की तरफ से जारी की गयी सूचना में कहा गया है कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के सत्र 2019–2020 के स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष (अंग्रेजी)के जिन छात्रों की मौखिक परीक्षा छूट गई थी ,उन सभी छात्रों के लिए पुनः मौखिक परीक्षा तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर केन्द्र पर दिनांक 23.12.2020 की दोपहर 12 बजे सम्पन्न होगी। ऐसे सभी छात्र जो उक्त परीक्षा में सम्मिलित होना चाहते हैं ,वे निर्धारित समय व तिथि पर उक्त महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में विश्वविद्यालय में जमा किये गए शुल्क की रसीद व मुख्य परीक्षा के प्रवेशपत्र के साथ उपस्थित हों।

किसानो के समर्थन में सुभाषपा ने श्रधांजलि दिवस पर दिया धरना

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। सुभासपा महानगर इकाई के द्वारा किसानो के समर्थन में श्रधांजलि दिवस धरना देकर मनाया गया। महानगर प्रभारी जागेश्वर राजभर नेतृत्व करते हुए बताया कि किसानों के प्रति संवेदना प्रकट करने के लिय हम लोग 2 घंटे का सांकेतिक धरना देकर श्रधांजलि दिवस मना रहे है।मुख्य वक्ता प्रदेश उपाध्यक्ष शशिप्रताप सिंह ने कहा कि केंद्र की सरकार पूंजीपतियों के दबाब में यह असंवैधानिक कानून वापस नही ले रही है, हम लोगो का यह बिरोध प्रदर्शन चलता रहेगा जब किसान भाई संतुष्ट नही हो जाते , हिटलरशाही तरीके से कोई भी सरकार ज्यादा दिन नही चलती, राज्य सरकार भी केंद्र के दबाब में काम कर रही है। अरविंद केजरीवाल के द्वारा अध्यादेश को फाड़ना उचित कदम है। किसान पर काला कानून को वापस लेना ही पड़ेगा केंद्र की सरकार पूंजीपतियों के हाथों किसान को गुलाम बनाना चाहती है। प्रमुख रूप से महानगर प्रभारी, जागेश्वर राजभर, छप्पन राजभर, दसरथ राजभर, सुमित राजभर, गोपाल राज, सांचु राज, गुलाब पटेल, बिजेंद्र पाल, मनोज पटेल, चंदन विश्वकर्मा, अरुण पटेल, ओमकार नाथ विश्वकर्मा, अभिमन्यु प्रसाद रामजी राजभर सुनील पटेल आदि लोग मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं